Today's Poem – 07.05.2014

बाप है सर्व सम्बन्धों के प्यार की सैक्रीन

उनके जैसा यहाँ ना कोई बेहतरीन

भाई-भाई की दृष्टि को पक्का करने का पुरुषार्थ करो |

बुद्धि से एक बाप के सिवाए और किसी को ना याद करो

सतयुग में फर्स्टक्लास सुन्दर शरीर प्राप्त करने के लिए अभी आत्मा को पावन

बनाना है

आर्टिफिशल फैशन नहीं करना है

यह देह भी भूली हुई हो

भाई-भाई की दृष्टि नैचुरल पक्की हो

चलन और चेहरे की प्रसन्नता

रूहानी पर्सनैलिटी की प्रतयक्षता

हम लेवता नहीं

मास्टर दाता,देवता हैं

मेरा बाबा

ॐ शान्ति !!!